

मुद्रास्फीति के प्रकार

रेंगती मुद्रास्फीति (Creeping Inflation):-

जब मुद्रा की परास की दर 0 से 3% के बीच रहती है तो उसे ^(Range) रेंगती मुद्रास्फीति के नाम से जानी जाती है। इसमें मुद्रास्फीति की दर अत्यधिक धीमे-धीमे 0.25%, 0.35%, 0.40% की गति से बढ़ती है और यह एक अंकीय होती है।

टहलती मुद्रास्फीति (Walking Inflation):-

यह मुद्रास्फीति (सिंगल) एक अंकीय होती है और इसमें मुद्रास्फीति की गति थोड़ी बढ़ जाती है। यह मुद्रास्फीति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी है लेकिन यह इस बात का संकेत देने लगती है कि सरकार को अपनी नीतियों के लिए सतर्क रहना पड़ेगा। क्योंकि ये कभी-कभी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसान भी पहुंचा सकती है अगर यह बढ़ती मुद्रास्फीति में पहुंच जाती है।

Inflation (मुद्रास्फीति):-

इस मुद्रास्फीति में परास 10 से 20% के बीच रहती है और इस मुद्रास्फीति में सरकार आपूर्ति पक्ष के उपाय करना प्रारम्भ कर देती है।

कूदती मुद्रास्फीति (Galloping Inflation):-

इस प्रकार की मुद्रास्फीति 20 से 1000% के बीच रहती है यह मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था में अत्यधिक खतरनाक शाबित हो सकती है इसके लिए सरकार को मौल्य पक्ष के उपाय करने होते हैं इस प्रकार की मुद्रास्फीति 1970 में अमेरिका में देखी गयी थी।

अति मुद्रास्फीति (Hyper Inflation):-

इस प्रकार की मुद्रास्फीति में फिलिप केंगन ने समझाया थी इनके अनुसार इस मुद्रास्फीति में अत्यन्त तीव्र गति से कीमते बढ़ती हैं और स्पर्ध की क्रय शक्ति क्षमता निम्न हो जाती है। इस प्रकार की मुद्रास्फीति 1920 में जर्मनी में देखने को मिली इसके अलावा यह विम्बाब्वे, गेनेजूला जैसे देशों में देखने को मिली।

उपाय - A

- (i) नये मोहर जारी करेगा।
- (ii) खाद्य सामग्री का बितरण करेगी।
- (iii) बचत को न दिन के आधार पर 15 दिन के आधार पर बाँटा जायेगा।

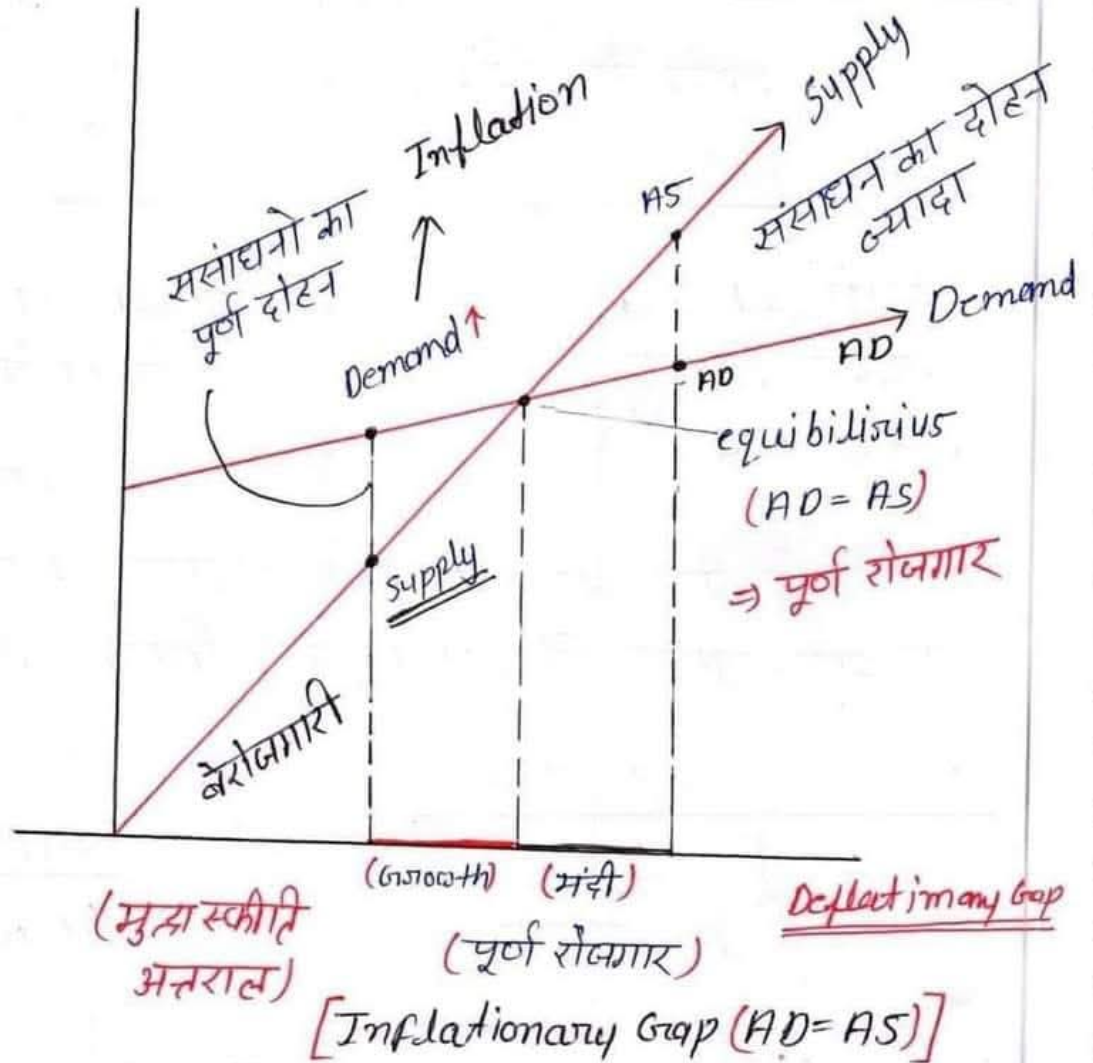
मुद्रास्फीति
बढ़ेगी

↓
माँग बढ़ेगी

↓
उत्पादन बढ़ेगा

↓
रोजगार

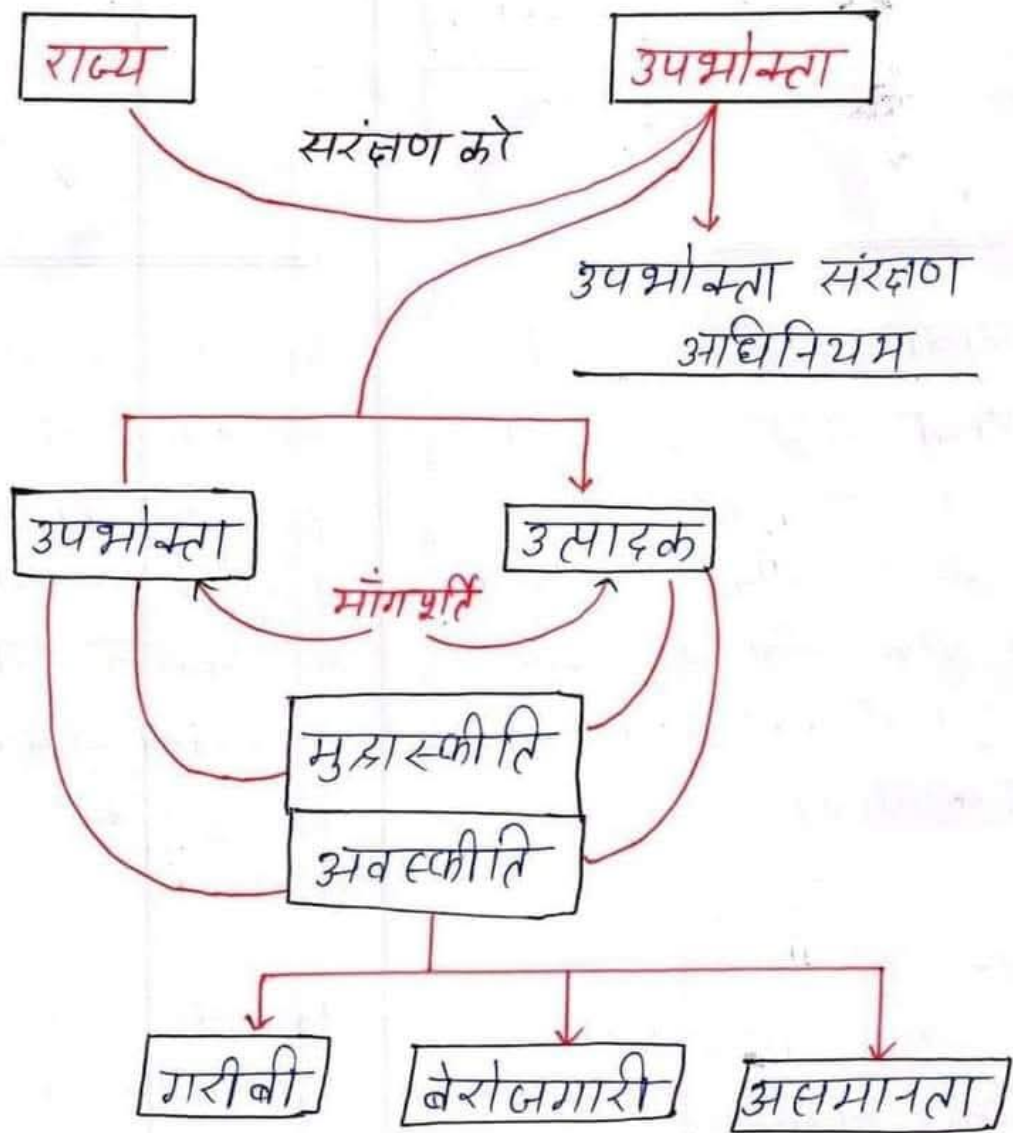
↓
बेरोजगारी दूर



Inflation Gap होगा तो

Demand ज्यादा तो $\Rightarrow$ कीमत बढ़ेगी $\Rightarrow$ लाभ का बँटवारा मांगेगा
↓
अगर नहीं दिया तो (हड़ताल)

Demand ज्यादा तो $\Rightarrow$ कीमत बढ़ेगी $\Rightarrow$ गरीब आदमी पर प्रभाव पड़ेगा
(अर्थव्यवस्था में असमानता की स्थिति दिखाई देगी)



गरीबी :-

कोई व्यक्ति अपनी आधारभूत आवश्यकता की पूर्ति नहीं कर पाता है तो व्यक्ति गरीब कहलाता है।

आधारभूत :-

भोजन , वस्त्र , पेयजल , शिक्षा , स्वास्थ्य , विद्युत , आवास आदि।